



# केन्द्र ने राज्यों से प्रभावी और पीपीपी आधारित स्मार्ट सिटी परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करने को कहा

## अभी तक 32,000 करोड़ रुपये की पीपीपी परियोजनाओं तथा 31,000 करोड़ रुपये की 261 अन्य प्रभावी योजनाओं की पहचान की गई

Posted On: 06 SEP 2017 5:12PM by PIB Delhi

केन्द्र सरकार ने राज्यों से पहचान किये गये स्मार्ट सिटी में उन पूर्ण स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को शीघ्र लागू करने के लिए कहा, जिनका नागरिकों के जीवन पर प्रत्यक्ष एवं परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ता है। पिछले महीने की 30 तारीख को प्रगति के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्मार्ट सिटी अभियान की समीक्षा की गई और इसी संदर्भ में अगले दिन श्री दुर्गा शंकर मिश्र, सचिव (आवास एवं शहरी मामले) ने सभी राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखा।

श्री मिश्र ने राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों से जनवरी-सितंबर 2016 के दौरान घोषित 60 शहरों में 261 प्रभावी स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को इस वर्ष नवम्बर तक आरंभ करने के लिए कहा। पहचान की गई परियोजनाओं में 31112 करोड़ रुपये का निवेश होगा। राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों से 32410 करोड़ रुपये के निवेश वाली 370 पीपीपी (सार्वजनिक निजी भागीदारी) परियोजनाओं पर भी तीव्र गति से काम करने के लिए कहा गया है।

पहचान की गई इन प्रभावी परियोजनाओं में नई दिल्ली नगर परिषद क्षेत्र में 1.31 करोड़ रुपये की लागत से 40 बाहरी स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्माण करना तथा 3000 करोड़ रुपये की लागत से भोपाल में 40 एकड़ क्षेत्र का पुनर्विकास करना शामिल है।

20 स्मार्ट सिटी के पहले चरण में आरंभ की जाने वाली प्रभावी परियोजनाओं तथा अन्य परियोजनाओं की सूची इस प्रकार है :-

क्रं.सं.	शहर	प्रभावी परियोजनाएं	लागत (करोड़ रुपये में)
1	भुवनेश्वर	रेलवे स्टेशन मल्टीमॉडल केन्द्र	845
2	पुणे	नदी के समाने के क्षेत्र का विकास और हैरिटेज सिटी म्यूजियम	235
3	जयपुर	उच्च गुणवत्ता लेजर शो के साथ तालकटोरा झील कर विकास	130
4	सूरत	लॉजिस्टिक पार्क और मौजूदा क्रीक का स्मार्ट पुनर्विकास	210
5	कोच्ची (केरल)	ब्रॉडवे मार्केट और एर्नाकुलम बाजार का पुनर्विकास	110
6	अहमदाबाद	इंटरमॉडल ट्रांसपोर्ट केन्द्र और स्लम पुनर्वास	961
7	जबलपुर	नदी के सामने के क्षेत्र का विकास और संस्थागत क्षेत्र का हरित विकास	310
8	विशाखापट्टनम(एपी)	समुद्र तट पुनर्विकास और तटीय संरक्षण	365
9	सोलापुर (महाराष्ट्र)	सिद्धेश्वर झील और हैरिटेज संरचनाओं का कार्याकल्प	49
10	दावनगरे(कर्नाटक)	मंदाकी भट्टी का कार्याकल्प	373
11	इंदौर	आधारभूत संरचना का विकास और पार्किंग 679	679
12	एनडीएमसी	यशवंत प्लेस का व्यावसायिक विकास	89
13	कोयम्बटूर (तमिलनाडु)	झील का विकास और मोटर रहित ट्रांसपोर्ट का आधारभूत ढांचा	526
14	काकीनाड़ा (एपी)	इन्द्रावलम लॉक और जगन्निक्कपुर पुराने पुल के बीच नहर के साथ क्षेत्र का विकास तथा होटलों का विकास	100
15	बेलगावी (कर्नाटक)	कानबर्गी झील का कार्याकल्प और मनोरंजन स्थल	10
16	उदयपुर	पानी, सीवरेज और सड़क ढांचे और भूमिगत केबल के साथ क्षेत्र का विकास	450
17	गुवाहाटी (असम)	ब्रह्मपुत्र नदी के सामने के क्षेत्र का विकास	532
18	चेन्नई	पैदल यात्री प्लाजा	83
19	लुधियाना	सारभा नगर बाजार का रिट्रोफिटिंग	10

20	भोपाल	340 एकड़ क्षेत्र का पुनर्विकास	3000
21	लखनऊ	हैस्टेज परियोजनाएं, सांस्कृतिक केंद्र और पुस्तकालय	160
22	धर्मशाला (एचपी)	कच्ছारी अड़छा और कोतवाली बाजार का पुनर्विकास	95
23	चंडीगढ़	सेक्टर 43 में किफायती आवास	321
24	फरीदाबाद (हरियाणा)	बडकल झील का कायाकल्प	45
25	आगरा	ताज ओरिएंटेशन सेंटर	232
26	वाराणसी	सम्मेलन केन्द्र	211
27	राजुरकेला	ब्राह्मनी नदी के सामने का क्षेत्र विकास	129
28	रायपुर	बाजार विकास	1026
29	कल्याण-डोम्बीवली (महाराष्ट्र)	कल्याण स्टेशन का सुधार	427

कुछ प्रमुख सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) स्मार्ट सिटी परियोजनाएं इस प्रकार हैं: भुवनेश्वर (सस्ते आवास -840 करोड़ रु), रायपुर (गंज मंडी में शहरी प्लाजा- 983 करोड़ रुपये),बिलासपुर (बाजार विकास -12,41 करोड़ रुपये), अमृतसर (शहरी क्षेत्र का विकास - 1028 करोड़ रुपए), कोयंबटूर (जल आपूर्ति -557 करोड़), वारंगल, तेलंगाना (बस अड्डा -611 करोड़ रुपये),शिमला - (पर्यटन और मनोरंजन की बुनियादी संरचना 898 करोड़ रुपये), अलीगढ़ (स्मार्ट बहु मंजिला पार्किंग- 289 करोड़ रुपये), बेंगलुरु (पर्यटन और मनोरंजन की बुनियादी संरचना - 234 करोड़ रुपये) और पुणे (विद्युत बसें -170 करोड़ रुपये)।

\*\*\*

वीके/पीसी/वाईबी- 3673

(Release ID: 1501929) Visitor Counter : 9